University in News on 09 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : फार्मेसी में शुरू होगी पीजी की पढ़ाई

नए भवन का 80 फीसदी काम हो चुका पूरा, हैंडओवर होते ही नए पाठ्यक्रमों के लिए भी राह होगी आसान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित नवीन परिसर में संचालित फार्मेसी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को जल्द ही नए भवन की सौगात मिलेगी। इसके साथ ही यहां पीजी की पढ़ाई शुरू करने की उम्मीद भी बढ़ जाएगी। सत्र 2024-25 से विभाग के विद्यार्थियों को अपना भवन मिल जाएगा। नवीन भवन का 80 फीसदी निमार्ण कार्य पूरा हो गया है। जानकारी में मुताबिक, मार्च से अप्रैल तक विभाग को भवन पूरी तरह से हैंडओवर कर दिया जाएगा।

लविवि में सत्र 2021 से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू हुई है। फिलहाल यह इंजीनियरिंग संकाय के साथ संचालित हो रहा है। नियमों के अनुसार, संकाय का अपना भवन होना चाहिए और इसके लिए भवन का निर्माण चल रहा है। भवन मिलने के बाद संकाय की अपनी अलग पहचान होगी। वर्तमान में संकाय के अंतर्गत चलने वाले बीफार्मा और डीफार्मा में सभी सत्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब 500 है। यहां बीफार्मा पाठ्यक्रम में 100 सीटें और डीफार्मा पाठ्यक्रम में 60 सीटें हैं।

इनमें प्रवेश राज्य स्तरीय काउंसिलिंग के माध्यम लिए जाते हैं। नए सत्र में प्रवेश प्रक्रिया भी अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग कई वर्षों से अपने विभाग की मांग कर रहा था। अब जब भवन का कार्य अंतिम चरण में है, जल्द विभाग को उसे सौंप दिया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में हो रहा फार्मेसी भवन का निर्माण। संवाद

नए कोर्स शुरू करने में मिलेगी मदद

लविवि ने तीन साल पहले अपने यहां फार्मेसी की पढ़ाई शुरू की है। अब पीजी की पढ़ाई शुरू करने की योजना है। अभी तक संस्थान में सिर्फ स्नातक और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। अपना भवन मिलने के बाद यहां पीजी की पढ़ाई भी शुरू हो सकेगी। पीजी की पढ़ाई शुरू करने के लिए भवन तथा अन्य मानक पूरे करने होते हैं।

बढ़ेगी लैब की संख्या, शोध को मिलेगा बढ़ावा

फार्मेसी की पढ़ाई में लैब की संख्या बेहद अहम होती है। अभी तक फार्मेसी की कक्षाएं इंजीनियरिंग संकाय के भवन में चल रही हैं। अपना भवन होने पर यहां कई अन्य लैब की स्थापना हो सकेगी। इससे न सिर्फ विद्यार्थियों को पढ़ाई में मदद मिलेगी बल्कि शोध के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे।

NBT PAGE 5

LU: नकल करते चार पकड़े गए

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रही सेमेस्टर परीक्षा के दौरान सोमवार को चार स्टूडेंट्स नकल करते पकड़े गए। अनुचित साधनों के प्रयोग करने के मामले में विश्वविद्यालय में तीन छात्र और एक छात्रा शामिल हैं। एलयू प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को 77,394 स्टूडेंट्स पंजीकृत थे जिनमें 1,249 स्टूडेंट्स अनुपस्थित रहे। चार स्टूडेंट्स का अनुचित साधनो का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया।

JAGRAN CITY PAGE III

18 से होगी एमए एजुकेशन की परीक्षा

- लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम
- सात विषयों के परीक्षा कार्यक्रम में किया गया संशोधन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से एम.ए एजुकेशन न्यू कोर्स प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 जनवरी से दो फरवरी, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 19 जनवरी से एक फरवरी तक तय की गई हैं। वहीं, 19 जनवरी से एम.ए ड्राइंग एंड पेंटिंग तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 19 से 27 जनवरी व पहले सेमेस्टर की परीक्षा 20 व 24 जनवरी को होगी।

विश्वविद्यालय ने सोमवार को तीन विषयों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। वहीं, सात अन्य विषयों के परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन भी किया है। छात्र-छात्राएं परीक्षा कार्यक्रम लवि की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/en के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम में पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन, एम.एससी फूड प्रासेसिंग फूड टेक्नोलाजी, एम.ए पापुलेशन स्टडीज, एमटीटीएम, एम.ए सोशल वर्क व एम.एससी रिन्यूएबल एनर्जी विषय शामिल हैं। बीपीए की परीक्षाएं 20 जनवरी, एमपीए की 23 जनवरी से शुरू होंगी।

इंटर कालेज के विद्यार्थियों ने किया लवि का भ्रमण

जासं, लखनऊ : राजकीय इंटर कालेज बिस्वान सीतापुर के विद्यार्थियों ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसिलिंग, यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम पर कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डा. अभिषेक ने विद्यार्थियों को लवि की प्रवेश प्रक्रिया व विभिन्न तरह के पाठ्यक्रम के बारे में बताया। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी आलोक यादव ने विधिक साक्षरता व उनके अधिकार, कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बच्चों को यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम के बारें मे विस्तृत रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम में विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, डा. आलोक कुमार यादव व अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अभिषेक तिवारी, विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार यादव भी उपस्थित रहे।

पूजा विधान में शामिल होंगे लवि के आचार्य श्यामलेश

16 से 23 जनवरी तक पूजा विधान में रहेंगे आचार्य श्यामलेश कुमार तिवारी

श्यामलेश कुमार तिवारी

जासं, लखनऊ : अयोध्या में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को निर्धारित है। प्राण प्रतिष्ठा तिथि की गणना काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ ने की है।

पूजा का विधान लक्ष्मीकांत दीक्षित के नेतृत्व में किया जाएगा। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राच्य संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य श्यामलेश कुमार तिवारी भी शामिल होंगे। वह 16 से 23 जनवरी तक प्राण प्रतिष्ठा पर होने वाले सभी पूजा विधान में नौ आचार्य के साथ रहेंगे। इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय से आमंत्रण मिला है।

आचार्य श्यामलेश ने बताया कि यह परम सौभाग्य की बात है कि उन्हें पूजा विधान में शामिल होने का मौका मिल रहा है। प्रदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय से ही किसी को यह अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हो रहा है। इसमें पहले दिन प्रायश्चित कार्यक्रम है। इसमें यजमानों में कोई दोष न रहे।

इसके लिए उन्हें पंचगव्य का प्राशन कराया जाएगा। 17 जनवरी को शोभा यात्रा में नगर भ्रमण है। रामलला की यह अचल प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। पूजा विधान की पूरी प्रक्रिया बता दी गई है। सभी आचार्य के परिधान मंदिर से ही प्राप्त किए जाएंगे। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य कार्यक्रम में भी होने वाले पूजा विधान में वह रहेंगे।

यूजी-पीजी के कई कोर्सों का परीक्षा कार्यक्रम बदला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को स्नातक व परास्नातक स्तर पर आठ पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विद्यार्थी वहां से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके साथ ही विवि एमए शिक्षाशास्त्र और ड्राइंग एंड पेंटिंग पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम भी जारी किया गया है।

विवि में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत स्नातक व परास्नातक के जिन पाठ्यक्रमों में बदलाव किया गया है, उसमें जनसंख्या अध्ययन, समाज कार्य और एमए या एमएससी मानवशास्त्र व फॉरेंसिक साइंस पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। इसी तरह एमएससी रिन्यू एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमटीटीएम और बीपीए व एमपीए पाठ्यक्रम शामिल हैं। पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलेटेशन पाठ्यक्रम के परीक्षा शेड्यूल में बदलाव किया गया है।

एमए शिक्षाशास्त्र और ड्राइंग एंड पेंटिंग के कार्यक्रम घोषित

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि संशोधित व नवीन परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट के एग्जामिनेशन कॉलम के शेड्यूल सेक्शन में देखा जा सकता है। किसी तरह का बदलाव होने पर वेबसाइट पर सूचना दी जाएगी। (संवाद)

सीतापुर के विद्यार्थियों ने किया लविवि का भ्रमण

लविवि में विकसित भारत को लेकर हुए छात्र कनेक्टिविटी कार्यक्रम में मौजूद लोग। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

विकसित भारत को लेकर छात्र कनेक्टिविटी कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। राजकीय इंटर कॉलेज (बिस्वां सीतापुर) के बच्चों ने सोमवार को शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर में विभिन्न संकायों व संस्थानों का भ्रमण किया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह एवं एडिशनल डीएसडब्ल्यू डॉ. अभिषेक तिवारी ने बच्चों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा कि प्रक्रिया और विभिन्न तरह के पाठ्यक्रम जोकि कक्षा 12 के बाद विवि में उपलब्ध हैं, के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. बोनो क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बच्चों को यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम के बारे मे विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. राधेश्याम, प्रो. राजकुमार, शुभम मिश्रा व अन्य मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर मुख्य परिसर में विकसित भारत 2047 के मुख्य परिसर के मंथन हॉल में कुलपति ने शिक्षकों एवं अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री का भाषण सुना। इसके साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विवि स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के आयोजन करने के निर्देश दिए।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू ने स्नातक व परास्नातक स्तर के आठ पाठ्यक्रमों की तिथियां बदलीं

यूजी-पीजी परीक्षा कार्यक्रम बदला

बदलाव

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में आठ पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रमों को परिवर्तित किया गया है। साथ ही एमए शिक्षाशास्त्र और ड्राइंग एंड पेंटिंग पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम घोषित हुआ है। छात्र-छात्राएं एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के आठ पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम बदला गया है।

कई पाठ्यक्रम शामिल रहे: इसमें एमए जनसंख्या अध्ययन, समाज कार्य और एमए या एमएससी मानवशास्त्र व फॉरेंसिक साइंस पाठ्यक्रम सम्मिलित है। इसी तरह एमएससी रिन्यूबल एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमटीटीएम और बीपीए व एमपीए पाठ्यक्रम शामिल है।

वेबसाइट पर अपलोड किया गया कार्यक्रम: पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलेटेशन पाठ्यक्रम के परीक्षा शेड्यूल में बदलाव किया गया है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम अपलोड कर दिया गया है।

बदलाव हुआ तो वेबसाइट से बताएंगे: परीक्षार्थी एग्जामिनेशन के कॉलम में जाकर शेड्यूल सेक्शन में विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। किसी तरह का बदलाव होने पर वेबसाइट के जरिए सूचित किया जाएगा। इसलिए छात्र-छात्राएं एलयू की वेबसाइट देखते रहें।

09 बजे सुबह से प्रथम पाली की परीक्षा होगी

■ एमए शिक्षाशास्त्र और ड्राइंग एंड पेंटिंग पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम घोषित

शिक्षाशास्त्र की परीक्षाएं 18 जनवरी से प्रारंभ होंगी

एलयू के परीक्षा विभाग की ओर से एमए शिक्षाशास्त्र प्रथम व तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके मुताबिक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से शुरू होकर दो फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। जबकि तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा 19 जनवरी से प्रारंभ होकर एक फरवरी तक चलेगी।

ड्राइंग एंड पेंटिंग की परीक्षा 19 जनवरी से होंगी

एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रथम व तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा शेड्यूल घोषित हुआ है। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 20 व 21 जनवरी को होगी। जबकि तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 19 से शुरू होकर 27 जनवरी तक चलेंगी। प्रथम पाली में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक परीक्षाएं होंगी।

छात्र कनेक्टिविटी कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। एलयू के दूसरे परिसर में सीतापुर बिस्वान के राजकीय इंटर कॉलेज के छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण किया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह एवं एडिशनल डीएसडब्ल्यू डॉ. अभिषेक तिवारी ने बच्चों को विवि की प्रवेश प्रकिया और विभिन्न तरह के पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

प्रो. बोनो क्लब के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बच्चों को यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. राधेश्याम, प्रो. राजकुमार व अन्य मौजूद रहे। मुख्य परिसर में विकसित भारत 2047 के मुख्य परिसर में कुलपति ने शिक्षकों संग प्रधानमंत्री का भाषण सुना।

HT PAGE 3

LU TEACHER AMONG 11 VEDIC EXPERTS FOR CONSECRATION RITUALS

LUCKNOW : Shyamlesh Kumar Tiwari, assistant professor of Oriental Studies in Lucknow University's Sanskrit department who specialises in Vedas, has been invited as one of 11 Vedic experts to take part in the week-long consecration rituals of Ram Lalla idol in Ayodhya.

Champat Rai, general secretary, Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust, has extended the invitation to the LU teacher with the request to be present during the week long Pran Pratishtha of Ram idol at Ram temple in Ayodhya.

Tiwari, 41, was invited on recommendation of renowned Kashi scholar Ganeshwar Shastri Dravid who calculated the date of Ram Lalla's Pran Pratishtha (consecration) and Laxmikant Dixit who will lead puja rituals between January 16 and 22.

"This is a huge honour for me as well for the Lucknow University to be part of the consecration ceremony of Ram Lalla," said the LU teacher who has expertise in 'Shukla Yajurveda Madhyandina Shakha'. "The 'mool muhurta' (main moment) will start from 12:29:08 pm and last till 12:30:32 pm. That means the total time will be only 1 minute 24 seconds," said Pandit Ganeshwar Shastri Dravid. HTC

PIONEER PAGE 3

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

- डॉ. श्यामलेश तिवारी 16 से 23 जनवरी तक अलग-अलग कार्यक्रमों में होंगे शामिल

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री ने प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षक को भेजा निमंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

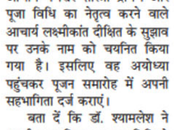

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षक सहायक प्रोफेसर डॉ. श्यामलेश तिवारी आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में प्रस्तावित श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। इसके लिए उन्हें श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने पत्र भेज कर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने का निमंत्रण दिया है। ऐसे में इस ऐतिहासिक और धार्मिक समारोह का साक्षी लखनऊ विश्वविद्यालय भी बनने जा रहा है।

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने पत्र में लिखा है कि राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण हो रहा है और उसे इस शैली में बनाया जा रहा है कि वह एक हजार वर्षों तक खड़ा रहे। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का महूर्त निकालने वाले आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविण और पूजा विधि का नेतृत्व करने वाले आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के सुझाव पर उनके नाम को चयनित किया गया है। इसलिए वह अयोध्या पहुंचकर पूजन समारोह में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं।

बता दें कि डॉ. श्यामलेश ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विवि से हासिल की और फिर 2018 में प्राच्य संस्कृत विभाग में सहायक आचार्य नियुक्त हो गए। उन्होंने बताया कि वह बनारस हिंदू विवि से स्नातक और लखनऊ विवि से परास्नातक व पीएचडी उपाधि धारक हैं।

15 जनवरी को पहुंचना होगा अयोध्या

चंपत राय की ओर से डॉ श्यामलेश तिवारी को भेजे गए पत्र में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन से आठ पूर्व अयोध्या पहुंचने का अनुरोध किया गया है। मंदिर में पूजन की प्रक्रिया 16 जनवरी से शुरू होगी। ऐसे में उन्हें 15 जनवरी को अयोध्या पहुंचना होगा। जिससे वह पूजन के सभी कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकें। डॉ. श्यामलेश तिवारी का कहना है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मंदिर बनने पर वह रामलला के श्री विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कराएंगे।

उन्होंने बताया वह लंबे समय से हर एकादशी को अयोध्या में रामलला के दर्शन को जाते हैं और हमेशा मंदिर निमार्ण की प्रार्थना करते थे। अब मंदिर बन रहा है और उसके प्रथम पूजन में साक्षी बन रहे हैं जो उनके लिए सौभाग्य की बात है।

19 जनवरी को होगी अग्नि की स्थापना

अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले 19 जनवरी को ही अग्नि स्थापना होगी। अरणी और मंथा लकड़ी के घर्षण से अग्नि प्रज्वलित होगी। इसी से यज्ञ वेदी के सभी अग्निकुंड को आग दी जाएगी।

इन कार्यक्रमों में रहेगी सहभागिता

- 16 जनवरी: प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू
- 17 जनवरी: मूर्ति के साथ अयोध्या धाम में भव्य शोभायात्रा
- 18 जनवरी: प्राण प्रतिष्ठा की विधि प्रारंभ होगी
- 19 जनवरी: अग्नि स्थापना
- 20 जनवरीरू मंदिर के गर्भ गृह की वास्तु शांति
- 21 जनवरी: रामलला को 125 कलशों से दिव्य स्नान
- 22 जनवरी: मृगशिरा नक्षत्र में प्राण प्रतिष्ठा
- 23 जनवरी: वेदी, हवन कुंड का विसर्जन

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

श्यामलेश कुमार तिवारी कराएंगे प्राण प्रतिष्ठा की पूजा

लखनऊ (एसएनबी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर में रामलाल के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर श्यामलेश कुमार तिवारी को आमंत्रित किया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय की ओर से तिवारी को भेजे गए पत्र में लिखा है कि प्राण-प्रतिष्ठा तिथि की गणना काशी के ख्याति नाम विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्राविड ने की है। पूजा के विधान श्रद्धेय लक्ष्मीकान्त दीक्षित के नेतृत्व में सम्पन्न किये जायेंगे, इन्ही दोनों विद्वानों की ओर से आपका परिचय मुझे प्राप्त हुआ है। काशी के दोनों विद्वान चाहते हैं कि आप प्राण-प्रतिष्ठा के विधि विधान में सम्मिलित होकर इस पूजा विधान को यश प्राप्त करायें।

AMRIT VICHAR PAGE 4

आठ पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में फेरबदल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विवि की परीक्षाओं में हुआ आंशिक फेरबदल
- 2 फरवरी तक आयोजित होंगी शिक्षा शास्त्र की परीक्षाएं

अमृत विचार : लखनऊ विवि की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं में फेरबदल हुआ है। इसमें स्नातक व परास्नातक स्तर के आठ पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है।

लविवि परीक्षा कार्यक्रम में हुए बदलाव में एमए या एमएससी मानवशास्त्र व फॉरेंसिक साइंस, समाज कार्य और एमए जनसंख्या अध्ययन पाठ्यक्रम विवि प्रशासन की ओर से शामिल किये गए हैं। एमएससी रिन्यूबल एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमटीटीएम बिऔर बीपीए व एमपीए पाठ्यक्रम भी सम्मिलित किये गए हैं। परिवर्तन की कड़ी में पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहेबिलेटेशन पाठ्यक्रम को भी सम्मिलित किया गया है। परीक्षा पाठ्यक्रमों में हुए बदलाव को लेकर विवि द्वारा आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

शिक्षाशास्त्र की परीक्षाएं 18 से : प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से आरंभ होकर 2 फरवरी तक आयोजित होगी। वहीं तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 19 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेंगी। परीक्षा नियंत्रक की ओर से एमए शिक्षाशास्त्र के प्रथम और तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी हुआ है।

27 तक चलेंगी ड्राइंग एण्ड पेंटिंग की परीक्षाएं

एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 20 और 21 जनवरी को आयोजित की जाएगी। वहीं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं का आयोजन 19 से लेकर 27 जनवरी तक होगा। प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा का बदलाव विवि की वेबसाइड पर देखा जा सकता है।

पहली पाली में पकड़े गए चार नकलची

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विवि और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में आयोजित हो रही परीक्षाओं में चार नकलची पकड़े गए। पहली पाली में मिली अनुचित सामग्री के साथ इनकी ए कॉपियों को सील करते हुए विवि प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई है।

लखनऊ विवि स्वयं और अपने से संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षाओं का आयोजन करा रहा है। लखनऊ के अलावा सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई, बाराबंकी और रायबरेली के महाविद्यालयों में सोमवार को भी दो पालियों में परीक्षा का आयोजन हुआ। बताते हैं कि पहली पाली में महाविद्यालय में अनुचित सामग्री के साथ तीन छात्र और एक छात्रा को पकड़ा गया। नकल सामग्री को कॉपी के साथ सील करते हुए महाविद्यालय प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई। विवि की दो पालियों की परीक्षा शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुई।

77 हजार से अधिक छात्र हुए सम्मलित

प्रथम पाली में छात्रों की संख्या 40 हजार 74 रही। वहीं दूसरी पाली में 37 हजार 320 छात्र सम्मिलित रहे। दो पालियों की परीक्षा में 77 हजार 394 छात्र सम्मिलित हुए। वहीं 1249 छात्र अनुपस्थित भी रहे।

TOI PAGE 1, 4

LU prof among 10 priests to conduct consecration rituals

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Shyamlesh Kumar Tiwari, an assistant professor at Lucknow University's oriental studies in the Sanskrit department, has been selected to be among 10 priests who will be conducting the 'Pran Pratishtha' (consecration) of the Ram Lalla idol at the newly constructed temple in Ayodhya from January 16 till January 22.

A letter in this regard was received by Tiwari (41) from the camp office of Shri Ram Janambhoomi Teerth Kshetra on Monday. As per the letter, Tiwari's name was recommended by two renowned scholars from Varanasi, Pt Ganeshwar Shastri Dravid, who did calculations of the consecration date and Pt Laxmikant Mathuranath Dixit, under whose leadership the priests will perform the seven-day rituals from January 16 till Ram temple's inauguration on January 22.

▶Feel privileged, P4

Feel privileged to be a part of consecration & prayers: Tewari

▶Continued from P 1

Both the scholars recommended that Tiwari be part of the ritual of consecration.

Pt Dixit's lineage tradition (vansh parampara) goes back to the renowned 17th century Kashi scholar, Gaga Bhatt, who presided over the coronation of Chatrapati Shivaji.

Talking to TOI, Shyamlesh Tiwari said, "I feel privileged to be part of Ayodhya Ram Temple consecration and prayers. I will be leaving on January 15 and will be part of a team of 10 priests who will be performing the puja from January 16 till January 22," He said that apart from 10 priests, 130 other scholars will be part of the prayers.

He said on January 16, 'praayashchit' (atonement) will be done in which prayers will be offered to forget all sins done before we begin with the auspicious work of 'pran pratishtha'. On January 17, a 'Jal Yatra' will be held in which water from the Saryu will be filled in pots and taken to the temple. This Saryu water will be later used in prayers at the temple. Also on the same day, Ram Lalla's idol will be taken on a city tour.

Thereafter on January 18, the process of consecration of life will begin. To begin with, prayers will be offered at the Yajna Mandap made near Garbh Grah and thereafter 'anya niwas' of the idol will be done in which it will be completely covered with foodgrains, then with fruits and so on.

Tiwari said that on January 19, 'Agni Sthapna' will take place in which a 'yajna fire' pit will be prepared and the fire will be lit up not through a match stick but by rubbing two sticks together to generate fire to perform 'Yagya'.

On January 20 the sanctum sanctorum of Ram Mandir will be sanctified with 81 kalash and they will be filled with water that was taken from different rivers while on January 21, Ram Lalla (Lord Ram) will take a bath and the yajna will also be performed on the same day.

"Thereafter, on the last day of January 22, consecration will take place in which the idol will be formally installed in the sanctum sanctorum of the temple from where it will never be removed," he added.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

प्राण प्रतिष्ठा में एलयू के शिक्षक श्यामलेश होंगे आचार्य

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले 19 जनवरी को ही अग्नि स्थापना होगी। अरणी और मंथा लकड़ी के घर्षण से अग्नि प्रज्वलित होगी। इसी से यज्ञ वेदी के सभी अग्निकुंड को आग दी जाएगी। समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय प्राच्य संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्यामलेश तिवारी वतौर आचार्य शामिल होंगे। वह 16 जनवरी से शुरू होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अलग-अलग दिन विधि विधान से पूजन कराएंगे।

अयोध्या में पांच सौ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद प्रभु श्रीराम के मंदिर की स्थापना का उद्घाटन होने जा रहा है। जिसके प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय भी साक्षी बनेगा। मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए एलयू के प्राच्य संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्यामलेश तिवारी को भी आमंत्रित किया गया है। वह पूजन करने वाले नौ शीर्ष आचार्यों के समूह में शामिल होंगे। डॉ. श्यामलेश तिवारी को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने पत्र भेज कर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने का निमंत्रण दिया है। पत्र में लिखा गया है कि राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण हो रहा है और उसे इस शैली में बनाया जा रहा है कि वह एक हजार वर्षों तक खड़ा रहे। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का महूर्त निकालने वाले आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविण और पूजन विधान का नेतृत्व करने वाले आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के सुझाव पर उनके नाम को चयनित किया गया है। इसलिए वह अयोध्या पहुंचकर पूजन समारोह में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं।

15 जनवरी को पहुंचना होगा अयोध्या: चंपत राय की ओर से डॉ. श्यामलेश तिवारी को भेजे गए पत्र में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन से आठ पूर्व अयोध्या पहुंचने का अनुरोध किया गया है। मंदिर में पूजन की प्रक्रिया 16 जनवरी से शुरू होगी। ऐसे में उन्हें 15 जनवरी को अयोध्या पहुंचना होगा। जिससे वह पूजन के सभी कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकें।

हर एकादशी को रामलला के दर्शन करता: डॉ. श्यामलेश तिवारी का कहना है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मंदिर बनने पर वह रामलला के श्री विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कराएंगे। उन्होंने बताया वह लंबे समय से हर एकादशी को अयोध्या में रामलला के दर्शन को जाते हैं और हमेशा मंदिर निमार्ण की प्रार्थना करते थे। अब मंदिर बन रहा है और उसके प्रथम पूजन में साक्षी बन रहे हैं जो उनके लिए सौभाग्य की बात है।

लविवि से पढ़े और यहीं शिक्षक बन गये: डॉ. श्यामलेश ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विवि से हासिल की और फिर 2018 में प्राच्य संस्कृत विभाग में सहायक आचार्य नियुक्त हो गए। उन्होंने बताया कि वह बनारस हिंदू विवि से स्नातक और लखनऊ विवि से परास्नातक व पीएचडी उपाधि धारक हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

बच्चों को विधिक साक्षरता के प्रति किया जागरूक

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। राजकीय इंटर कॉलेज बिस्वान, सीतापुर के बच्चों ने शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत लखनऊ विश्विद्यालय के द्वितीय परिसर में विभिन्न संकाय, संस्थान आदि का भ्रमण किया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ.बीडी सिंह, डॉ.आलोक कुमार यादव व अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ.अभिषेक तिवारी के निर्देशन में स्कूल से आए बच्चों के लिए करियर काउंसलिंग व यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम पर कार्यक्रम भ